राजधानी में कृषि कुंभ 2018 का शुभारंभ

- आयोजन में उत्तर प्रदेश सरकार के माननीय मंत्रीगण और कृषि विभाग के गणमान्य व्यक्तियों ने हिस्सा लिया।

- उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री माननीय श्री सूर्य प्रताप शाही ने इस आयोजन को संबोधित किया।

नई दिल्ली, 25 अगस्त 2018: राजधानी में आज कृषि कुंभ 2018 का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का आयोजन कृषि एवं संबंधित विभाग, उत्तर प्रदेश - भारत सरकार ने उत्तर प्रदेश राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद के साथ मिलकर किया है। आयोजन का शुभारंभ उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री, माननीय श्री सूर्य प्रताप शाही ने किया, जो कि समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इसके अलावा समारोह में श्री एस. पी. सिंह बघेल, माननीय मंत्री पशुपालन विभाग, उत्तर प्रदेश तथा श्रीमति स्वाति सिंह, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), मण्डी परिषद्, भी उपस्थित थीं। समारोह में उपस्थित माननीय मंत्रियों ने अपने संबोधन में कृषि कुंभ 2018, के बारे में लोगों को विस्तार से बताया।

इस मौके पर उत्तर प्रदेश सरकार के वरिष्ठ अधिकारी श्री प्रभात कुमार, कृषि उत्पादन आयुक्त, श्री अमित मोहन प्रसाद, प्रमुख सचिव-कृषि, श्री सुधीर बोबडे, प्रमुख सचिव-पशुपालन सहित उत्तर प्रदेश सरकार के कई गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

समारोह में उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री, माननीय श्री सूर्य प्रताप शाही ने अपने संबोधन में कहा- 'कृषि, उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। राज्य में करीब 2.33 करोड़ परिवार खेती-बाड़ी करते हैं, जिनमें से 92.5 प्रतिशत छोटे किसान हैं। कृषि, उत्तर प्रदेश की कुल आबादी की 67.68 प्रतिशत जनसंख्या की आय का मुख्य स्रोत है। इसलिए कृषि कुंभ 2018 के जरिये हम यह उम्मीद करते हैं कि किसानों और कृषि से जुड़ी कंपनियों के लिए विकास के नये अवसर सुलभ होंगे। इस अवसर पर मैं माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश, श्री योगी आदित्यनाथ का तहेदिल से धन्यवाद करता हूं। केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा न केवल उत्तर प्रदेश, बल्कि पूरे देश के किसानों के उत्थान के लिए निरंतर नये-नये कदम उठाए जा रहे हैं, जिनसे उन्हें बहुत लाभ भी मिल रहा है। यह आयोजन भी इसी दिशा में एक मजबूत और सराहनीय प्रयास है।'

कृषि और उससे जुड़े अन्य क्षेत्रों में विकास की आपार संभावनाओं को देखते हुए और किसानों की आय को दोगुना करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश सरकार ने 26 से 28 अक्तूबर, 2018 के बीच भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, तेलीबाग, लखनऊ में तीन दिवसीय कृषि कुंभ 2018 का आयोजन किया है। इस समारोह में राज्य की सभी 75 जिलों के किसान, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कृषि विज्ञानी, केन्द्र और राज्य सरकार की विभिन्न औद्योगिक संस्थाओं के प्रतिनिधि और नीति निर्धारक हिस्सा लेंगे।

इस मेले का उद्देश्य किसानों, तकनीकि विशेषज्ञों और व्यवसायीयों को एक ऐसा साझा मंच प्रदान करना है, जहां वह कृषि, उत्पादन, खाद्य प्रसंस्करण, विपणन, कृषि के आधुनिक तरीकों, पशुपालन, मुर्गी पालन, मतस्य पालन और बागवानी आदि से संबंधित क्षेत्रों में अपने विचारों, अनुभवों और नयी-नयी जानकारियों का अदान-प्रदान कर सकें। इसके अलावा आयोजन का एक अन्य उद्देश्य ग्रामीण, जिला, राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय

स्तर पर कृषि से जुड़े उद्यमियों को संचार और संवाद के नये और आधुनिक तरीकों से अवगत कराना भी है, ताकि वह अपना कार्य और अधिक दक्षतापूर्ण ढंग से कर सकें।

शुभारंभ समारोह में अपने संबोधन में श्री एस. पी. सिंह बघेल, माननीय मंत्री पशुपालन विभाग, उत्तर प्रदेश ने कहा- ' किसानों की आय को दोगुना करने के लिए कृषि संबंधित गतिविधियों को पशुपालन से जोड़ने की आवश्यकता है।'

इस मौके पर उपस्थित श्रीमति स्वाति सिंह, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), मण्डी परिषद ने अपने संबंधोन में कहा- ' जब तक छोटे किसानों को बाजार से सीधे जोड़ने के लिए सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जाएंगी, तब तक उनकी आय में बढ़ोत्तारी होना मुश्किल है। इसलिए राज्य सरकार ने कृषि एवं विपणन के क्षेत्र में एक विशाल आधारभूत माडल तैयार किया है, जिसके तहत 100 मंडियों को ई-एनएएम द्वारा आपस में जोड़ा है। इसके जरिये किसानों को अपनी फसल को अच्छे दामों पर बेचने की सुविधा मिलेगी।'

इस आयोजन का एक अहम उद्देश्य कृषि और उससे संबंधित क्षेत्रों से जुड़े लोगों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना तथा उनके लिए रोजगार के नये अवसर मुहैया कराना भी है। कृषि कुंभ 2018 के जरिये किसान, कृषि के क्षेत्र में आ रहे तमाम बड़े तकनीकि बदलावों और कृषि के उन्नत तरीकों के बारे में विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कृषि विज्ञानियों और विश्वविद्यालयों द्वारा जान सकेंगे। ई-एनएएम, से जुड़ने के बाद अब तक करीब 28 लाख किसान और 32 हजार व्यापारी ई-एनएएम पर अपना पंजीकरण करा चुके हैं और 2794 करोड़ मूल्य के 192 लाख क्विंटल कृषि उत्पादों की खरोद-फरोख्त भी हो चुकी है।

इस आयोजन में विभिन्न तकनीकि विशेषज्ञों द्वारा कृषि के क्षेत्र में नयी तकनीकों और सरकार द्वारा संबंधित क्षेत्रों से जुड़ी महत्वपूर्ण घोषणाओं के बारे में भी लोगों को बताया जाएगा।